कखो लख बनाउँदी मेरी माँ

झंडेवाली आउंदी मेरी माँ,
कखो लख बनाउँदी मेरी माँ ,

माँ दे दर दिया जाने बाता रौनक शाम सवेरे,
दुनिया रोशन करदी ज्योति दूर करदी हनेरे,
सब नु दर्श दिखाउंदी मेरी माँ,
कखो लख बनाउँदी मेरी माँ ,

दिल्ली दे मंदिर विच बैठी झंडे वाली दाती,
जो भी दर ते आया मैया ने खैर झोली विच पाती,
खुशिया झोली पौंदी मेरी माँ
कखो लख बनाउँदी मेरी माँ ,

राजू भी हरिपुरियाँ झंडे वाली दे दर आउंदा ,
माँ दे दर ते भरे हाजरी आन चिराग जागोंदा,
इज्जत मान दवांदी मेरी माँ,
कखो लख बनाउँदी मेरी माँ ,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14121/title/kakho-lakh-banaaundi-meri-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |